"हिन्दी अध्ययन व शोध केन्द्र" की वार्षिक रिपोर्ट सत्र 2025–26

'हिन्दी अध्ययन एवं शोध केन्द्र' महाविद्यालय में अध्ययन–अध्यापन एवं अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदशन हेतु स्थापित किया गया है। हिन्दी भाषा–साहित्य व रचनात्मकता को नये आयाम देना ही इस केन्द्र का प्रमुख उद्देश्य है। यद्यपि अपने अनुसंधानात्मक एवं रचनात्मक गतिविधियों के लिए लगभग चार दशकों से यह केन्द्र प्रसिद्ध रहा है। कुल तीस से अधिक शोध कार्य पूर्ण हो चुके हैं। 15 लघु प्रबन्ध का कार्य पूरा कराया गया है।

'हिन्दी अध्ययन व शेध केन्द्र' में वर्ष 2025–26 में एक शोधार्थी सतीश कुमार का पंजीकरण प्रो0 रेखा चौधरी के निर्देशन में हुआ। वर्ष 2018 से 2025 तक पंजीकृत कुल 16 शोधार्थियों–1. अनुज कुमार चौहान, 2. गीता सिंह, 3. दीपक कुमार, 4. सुशील कुमार, 5. निवेदिता स्वरूप, 6. सुमित कुमार उपाध्याय, 7. नीतू तिवारी, 8. योगेश सिंह, 9. मनोज तौमर, 10. प्रभा शर्मा, 11. नरेन्द्र सिंह, 12. सुनीता कुमारी, 13. अरूण तौमर, 14. तनवीर अहमद, 15. अखिलेश कुमार एवं 16. सतीश कुमार में से शोधार्थी **अनुज कुमार चौहान, गीता सिंह, मनोज कुमार तौमर, सुशील कुमार ने शोध कार्य पूर्ण कर लिया है और इनकी उपाधि प्राप्त हो गयी है।** उपरोक्त में से नरेन्द्र सिंह व सतीश कुमार की थिसिस मूल्यांकन हेतु विश्वविद्यालय में जमा हो चुकी है। शोधार्थी दीपक कुमार व सुमित कुमार उपाध्याय शोध केन्द्र से सम्पर्क में नहीं है, न ही उनके शोध कार्य की प्रगति की कोई सूचना केन्द्र को प्राप्त है। शेष शोधार्थी नियमित रूप से अपना कार्य पूर्ण करने में लगे हुए हैं।

'हिन्दी अध्ययन व शोध केन्द्र' के तत्वाधान में दिनांक 05.12.2025 को शोधार्थी यागेश सिंह के जे0आर0एफ0 के दो वर्ष की अवधि व कार्य पूर्ण होने के उपरान्त एस0आर0एफ0 अनुमोदन हेतु शोध सार प्रस्तुतिकरण कराया गया। इस कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में **एम0एम0एच0 कॉलिज, गाजियाबाद** से **प्रो0 बीना शर्मा** की उपस्थिति रही।

इसी क्रम में **दिनांक 18.04.2026** को शोधार्थी अरूण तौमर के एस0आर0एफ0 अनुमोदन की प्रक्रिया पूर्ण करने हेतु शोध सार प्रस्तुतिकरण कार्यक्रम कराया गया। इसमें विषय विशेषज्ञ के रूप में **एम0एम0एच0 कॉलिज, गाजियाबाद** के हिन्दी विभाग की **प्रोफेसर गीता शर्मा** की उपस्थिति रही।

दिनांक 20.05.2025 को **प्रो0 रेखा चौधरी** के निर्देशन में शोध कार्य कर रहे शोधार्थी नरेन्द्र सिंह के शोध कार्य पूर्ण होने के उपरान्त **प्री–सबमिशन सेमिनार** कराया गया।

Principal
A.K.P. Degree College
Khurja

इसी क्रम में **डॉ0 शशिप्रभा त्यागी** के निर्देशन में शोध कार्य पूर्ण कर चुके शोधार्थी सुशील कुमार की शोध मौखिकी दिनांक 02.04.2026 को सम्पनन करायी गयी। इस अवसर पर विषय विशेषज्ञ व वाह्य परीक्षक के रूप में **रोहतक विश्वविद्यालय** की वरिष्ठ प्रोफेसर **प्रो0 कृष्णा जून जी** की गरिमामयी उपस्थिति रही।

दिनांक 14.05.2026 को **प्रो0 रेखा चौधरी** के निर्देशन में शोध कार्य पूर्ण कर चुके शोधार्थी **सतीश कुमार** का **प्री–सबमिशन सेमिनार** सम्पन्न कराया गया।

सत्र 2026–27 हेतु कुछ नये शोधार्थियों को केन्द्र से प्रो0 रेखा चौधरी एवं डॉ0 अनामिका द्विवेदी जी ने सहमति–पत्र प्रदान किया है। आशा है कि शीघ्र ही **6 नये शोधार्थी** हिन्दी अध्यय व शोध केन्द्र से जुड़ेंगे।

'हिन्दी अध्ययन व शोध केन्द्र' से प्रत्येक वर्ष छात्राएँ कविता, कहानी, निबन्ध, गीत–गायन के क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन करती हैं। वर्तमान सत्र में दिनांक 26.12.2025 को **'शुभम साहित्य कला व संस्कृति संस्थान, गुलावठी'** द्वारा आयोजित देशभक्ति गीत–गायन प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया तथा छात्रा **बुलबुल सोलंकी** ने **प्रथम स्थान** प्राप्त कर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया।

इसी क्रम में दिनांक 22.12.2025 को उत्तर प्रदेश शासन द्वारा आयोजित जिला स्तरीय **एकल काव्य पाठ प्रतियोगिता** जोकि **'भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी'** की **जन्म शताब्दी** के उपलक्ष में आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की छात्रा **कु0 मान्या गोविल** ने स्वरचित गीत प्रस्तुत कर **द्वितीय स्थान** प्राप्त किया।

दिनांक 06/11/2025 से 11/11/2025 तक महाविद्यालय की साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद द्वारा मनाये गये 'उल्लास' महोत्सव में लोकगीत गायन, कविता पाठ तथा स्लोगन प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्राओं ने उत्साहवर्धक भागीदारी की तथा बेहतरीन प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

वर्तमान सत्र 2026 में महाविद्यालय के दो शोधार्थी **अरूण तौमर, नीतू तिवारी** व छात्राएँ **गुनगुन कौशिक, मान्या गोविल, अयुषी सैनी, कु0 इरम व शिक्षिका प्रो0 रेखा चौधरी** की **स्वचरित कविताएँ 'वन्दे मातरम्'** के **150वें** वर्ष के उपलक्ष में प्रकाशित पुस्तक **'भारतीय हरित धरोहर'** में प्रकाशित हुई तथा **विश्व कीर्तिमान** स्थापित किया।

'हिन्दी अध्ययन एवं शोध केन्द्र' में पंजीकृत शोधार्थी **नरेन्द्र सिंह, निवेदिता स्वरूप, नीतू तिवारी, योगेश सिंह, सुशील कुमार, सतीश कुमार, प्रभा शर्मा** के **दो–दो** शोध **आलेख**, शोध-पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। शोधार्थी अरूण कुमार तौमर, नीतू तिवारी व

Principal
A.K.P. Degree College
Khurja

30/5/2026

निवेदिता स्वरूप मौलिक काव्य लेखन के क्षेत्र में अपनी पहचान बना रहे हैं। शोधार्थी नीतू तिवारी भजन गायन व लोकगीत गायन के क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त व्यक्तित्व हैं।

हिन्दी विभाग की शिक्षिका **प्रो0 रेखा चौधरी** के लगभग **25 शोध आलेख विभिन्न पत्र–पत्रिकाओं में प्रकाशित** हो चुके हैं। शिक्षिका **डॉ0 अनामिका द्विवेदी** के लगभग **26 शोध आलेख व दो पुस्तकें प्रकाशित** हो चुकी हैं।

महाविद्यालय के पुस्तकालय में हिन्दी में उत्कृष्ट एवं मौलिक शोध–कार्य हेतु हिन्दी भाषा एवं साहित्य से सम्बन्धित श्रेष्ठ पुस्तकों तथा साहित्यिक पत्रिकाओं का संग्रह है। **'आलोचना', 'हंस,', 'सहृदय', मीडिया विमर्श', 'शोध श्री' पत्रिकाएँ** शोधार्थियों के लिए नियमित नियत समय पर उपलब्ध रहती हैं। हिन्दी भाषा एवं साहित्य में अब तक पूर्ण कराये जा चुके शोध कार्यों के विषय एवं वर्ष को संग्रहित करने वाली पुस्तक 'शोध–संदर्भ' के सभी संस्करण पुस्तकालय में उपलब्ध हैं। विभाग द्वारा पूर्ण करायी गयी पीएच.डी. की थीसिस का अच्छा संग्रह पुस्तकालय में उपलब्ध है।

'हिन्दी अध्ययन एवं शोध केन्द्र' की कार्यकारिणी समिति –

1. संरक्षिका – प्रो0 डिम्पल विज (प्राचार्य)
2. प्रभारी – प्रो0 रेखा चौधरी
3. सह–प्रभारी – डॉ0 अनामिका द्विवेदी
4. सदस्य – नीतू तिवारी (शोधार्थी)
5. सदस्य – निवेदिता स्वरूप (शोधार्थी)
6. सदस्य – योगेश सिंह (शोधार्थी)
7. सदस्य – अरूण कुमार तौमर (शोधार्थी)
8. सदस्य – प्रभा शर्मा (शोधार्थी)

Principal
A.K.P. Degree College
Khurja

30/5/2026
डॉ0 रेखा चौधरी
(हिन्दी विभाग)
A.K.P. Degree College
Khurja